



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 339]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 20, 1981/आषाढ़ 29, 1903

No. 339]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 20, 1981/ASADHA 29, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1981

का० आ० 578 (अ) — गैर-पत्रकार समाचार पत्र कर्मचारियों और श्रमजीवी पत्रकारों के संबंध में मजदूरी की बातों को नियत या पुनरीक्षित करने में सरकार को समर्थ बनाने के प्रयोजन के लिए दो मजदूरी बोर्ड, श्रमजीवी पत्रकार और अन्य समाचारपत्र कर्मचारी (सेवा की शर्तें) और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1955 (1955 का 45) की धारा 13ग और धारा 9 के अधीन क्रमशः 11 जून, 1975 और 6 फरवरी, 1976 को भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 1958 और 809, तारीख 11 जून, 1975 और 6 फरवरी, 1976 द्वारा गठित किए गए थे;

और उक्त दो मजदूरी बोर्ड प्रभावी रूप में कार्य नहीं कर सके;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा 13क की उप-धारा (1) के साथ पठित धारा 13घ की उपधारा (1) द्वारा उसकी प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की तारीख 9 फरवरी, 1979 की दो अधिसूचना सं० का० आ० 81(अ) और का० आ० 82(अ) द्वारा, गैर-पत्रकार समाचारपत्र कर्मचारियों और श्रमजीवी पत्रकारों के लिए उक्त दो मजदूरी बोर्डों के स्थान पर अधिकरण प्रतिस्थापित किए थे;

और पूर्वोक्त अधिकरणों ने 13 अगस्त, 1980 को केन्द्रीय सरकार को अपनी सिफारिशें (जिन्हें उममें उमके पश्चात् "सिफारिश" कहा गया है) प्रस्तुत की थी;

और केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण तारीख 26 दिसम्बर, 1980 में का० आ० 984 (अ) के रूप में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा अन्य बातों के साथ साथ, नीचे अनुसूची में संलग्न सिफारिशों के अध्याय II और अध्याय IV के पैरा 18 और अध्याय VI के पैरा 11 में अन्तर्लिखित सिफारिशों की पड़ताल करने का प्रस्ताव किया था;

और उक्त सिफारिशों की पड़ताल की गई थी और सरकार ने उक्त सिफारिशों में कतिपय उपान्तरण जिनसे, सरकार की राय में सिफारिशों की प्रकृति में महत्वपूर्ण परिवर्तन होंगे, करना ठीक समझा था,

और उक्त अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (2) के उपबन्धों के अनुसार उन व्यक्तियों को सूचना जारी की गई थी जिनके प्रस्तावित उपान्तरणों से प्रभावित होने की संभावना थी और इस निमित्त प्राप्ति सम्भावनाओं पर विचार कर लिया गया है;

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सिफारिशों के अध्याय II के पैरा 18, अध्याय IV के पैरा 18, अध्याय VI के पैरा 11, में निम्नलिखित उपान्तरण करती है, अर्थात् :—

(क) सिफारिशों के अध्याय II के पैरा 18 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखे जाएंगे, अर्थात् :—

की अधिसूचना सं. का. आ. 211(अ) दिनांक 18 अप्रैल, 1979 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में “जुलाई, 1981 के 15वें दिन”, अंकों अक्षरों एवं शब्दों के स्थान पर, “सितम्बर, 1981 के 15वें दिन”, अंक, अक्षर एवं शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 16 (1)/80-प्लांट (बी)]

एस. गोपालन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF COMMERCE

(RUBBER CONTROL)

### ORDER

New Delhi, the 20th July, 1981

**S.O. 574(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 13 of the Rubber Act, 1947 (24 of 1947), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce, Civil Supplies and Cooperation No. S.O. 211(E), dated the 18th April, 1979, namely :—

In the said notification, for the figures, letters and words “15th day of july, 1981”, the figures, letters and words “15th day of September, 1981” shall be substituted.

[File No. 16(1)/80-Plant(B)]

S. GOPALAN, Jt. Secy.